पत्र संख्या :–01स्था(क्षे0)—04 / 2022 ....181..... /
झारखण्ड सरकार
पंचायती राज विभाग
द्वितीय तल,एफ0एफ0पी0 भवन, धुर्वा,राँची–834004
e-mail:- panchayat-jhr@nic.in, panchayat.jhr@gmail.com

प्रेषक,

शैलेश कुमार, झा0प्र0से0,
उप निदेशक,
पंचायत राज, झारखण्ड, राँची।

सेवा में,

अत्यावश्यक
फैक्स / ई–मेल

जिला पंचायत राज पदाधिकारी,
राँची, खूँटी, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला–खरसावाँ, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, लातेहार, साहेबगंज, गढ़वा, गोड्डा एवं पलामू।

राँची, दिनांक :– 24.1.25

विषयः– **"हमारी परम्परा–हमारी विरासत" योजना अन्तर्गत अनुसूचित जनजातियों के बहुस्तरीय पारम्परिक स्वशासन व्यवस्था से संबंधित साँस्कृतिक धरोहर, परम्पराओं, रूढ़ियों आदि के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए शपथ लेने के संबंध में।**

महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि राज्य सरकार द्वारा 26 जनवरी 2025 से **"हमारी परम्परा–हमारी विरासत"** योजना प्रारंभ की जा रही है। इसके तहत अनुसूचित क्षेत्रों में निवास करने वाले विभिन्न अनुसूचित जनजातीय समुदाय के बहुस्तरीय पारम्परिक स्वशासन व्यवस्था की विवरणी (Mapping) तथा उससे संबंधित परम्पराओं, साँस्कृतिक धरोहर, लोकगीत, त्यौहार, पूजा पद्धति के संरक्षण, संवर्द्धन एवं अगले पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए 26 जनवरी 2025 को आहूत ग्राम सभा में संकल्प / शपथ लिया जाना है। संकल्प / शपथ के लिए प्रारूप एवं उसका 05 जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं यथा– संथाली, मुण्डारी, हो, कुडुख, खड़िया एवं सादरी में तैयार कर पत्र के साथ संलग्न है।

अतः अनुरोध है कि जिले में अवस्थित सभी पारम्परिक गाँवों में आयोजित ग्राम सभा में परम्परागत नेतृत्व की अगुवाई में संलग्न प्रारूप के अनुरूप संकल्प / शपथ लेने हेतु सभी संबंधित परम्परागत ग्राम सभाओं के पहान, ग्राम प्रधान, मुण्डा, मानकी, माँझी, परगनैत आदि को सूचित करने की कृपा की जाय।

विश्वासभाजन

अनुलग्नकः– यथोक्त

ह0/–
उप निदेशक,
पंचायत राज, झारखण्ड, राँची।

ज्ञापांक :– 01स्था(क्षे0)—04 / 2022 ....181..... /, राँची, दिनांक :– 24.1.25

प्रतिलिपिः– उपायुक्त / उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, राँची, खूँटी, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला–खरसावाँ, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़, लातेहार, साहेबगंज, गढ़वा, गोड्डा एवं पलामू को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

अनुलग्नकः– यथोक्त।

ह0/–
उप निदेशक,
पंचायत राज, झारखण्ड, राँची।

कृ0पृ0उ0..2 / ..

ज्ञापांक :– 01स्था(क्षे0)–-04/2022 ....181............/, राँची, दिनांक :– 24.1.25

प्रतिलिपिः– State Head/Sr. Manager, CSC e-Governance Service India Ltd. झारखण्ड, राँची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

अनुलग्नकः– यथोक्त।

24/1/25

उप निदेशक,
पंचायत राज, झारखण्ड, राँची।

अनिल/24.01.2025

हमारी परंपरा – हमारी विरासत

पेसा ग्राम सभा का नाम:

प्रखण्ड का नाम: जिला का नाम:

---

1. हम _____ ग्राम सभा के लोग यह शपथ लेते हैं की हम अपनी पूर्वजों की परम्परा और पारम्परिक विरासत को संरक्षित करेंगे।

2. हम शपथ लेते हैं की हम जल जंगल जमीन के साथ संतुलन बनाते हुए प्रबंधन करेंगे।

3. हम शपथ लेते हैं की अपनी रुढ़ीजन्य विधि का पालन करते हुए नियमित ग्राम सभा करेंगे, सभी की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे और उसे सशक्त बनायेंगे।

4. हम शपथ लेते हैं की हमारी सांस्कृतिक धरोहर जैसे, लोकगीत, त्यौहार, पूजा पद्धति तथा आस्था को सुरक्षित रखेंगे और आने वाली पीढ़ी को भी सिखायेंगे।

5. हम जनजातीय नायकों, योद्धाओं और समाज सुधारकों की विरासत को सम्मान करेंगे और उनके आदर्शों पर चलेंगे।

इस प्रस्ताव के माध्यम से, हम **"हमारी परंपरा- हमारी विरासत"** में सक्रिय रूप से भाग लेने का वचन देते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को न केवल संरक्षित किया जाए, बल्कि गर्व के साथ आने वाली पीढ़ियों को सौंपा भी जाए।

ग्राम सभा के उपस्थित सभी सदस्यों का हस्ताक्षर

1.
2.
3.

आबो बाक् परम्परा– आबो वाक् विरासत

पेसा ग्राम सभा (आतु दुड्डुप) आतु ञुतुम

प्रखण्ड (बोलोक) रेयाक् ञुतुम :– जिला (टोठा) रेयाक् ञुतुमः–

---

1. आले ..... ग्राम सभा (आतु दुड्डुप) रेन हड़ नोवा किरा ले हाताव ऐदा जे आले रेन पूर्वा पुरूष हापड़ाम कोवाः परम्परा आर पारम्पारिक विरासत ले जोगाव दोहोया।

2. आले किरा ले हाताव ऐदा जे, आले– दाअः बीर– बुरू ओत् हासा सांवते संतुलन बेनाव कातेअ् व्यवस्था रूपी दहः कातेअ् ले कामीयाः।।

3. आले किरा ले हाताव ऐदा जे आलेयाक् आरी– चाली, विधि– विधान, कः मानाव– बाताव कातेअ्, नेंडा वाकान् दिन ठेकान रे बराबर ले ग्राम सभा या आतु रेन जोतो हड़ गे आतु दुड्डुप रे भाग ले हाताव आ, आर आतु दुड्डुप (ग्राम सभा) ले सक्तः ले बेनाव आ।

4. आले किरा ले हाताव ऐदा जे आलेयाक् सांस्कृति सम्पति धरोहर, जेमोन बारहः मास सेरेंञ, लागड़े सेरेंञ, दोंड. सेरेंञ, बाहा सेरेंञ, सोहराम सेरेंञ, काराम सेरेंञ, आर हँ बाकि जोतो रकम सेरेंञ, पोरण– पुनाथ, जोतो रकम परबः जेमोन– बाहा परबः, सोहराम परबः माधी परब, जम सिम (जान थाड़) परब, माअ् मोड़े आर नोंका गे दिशम दिशम रेनाक् भिना– भिना परब मेनाक् आः जोतो दिशम रेंनाक् परबः गे, आर पूजा रेनांक नियम– धोरोम कः बाँञचाव काते ले दोहोया। आर हिजुक वाला पीढ़ी कः जेमन, गड़म कोड़ा, आर गोड़ोम कुड़ी कः हों बोन चेत् आको वाक्।

5. आले सेदाय हापड़ाम कोवाअः आर पूर्वा पुरूष रेन बीर योद्धा आकिल गेयान हापड़ाम कोवाअः आर सांवता सुसारिया कोवाअः विरासत ले साम्भड़ाव दोहोया, आर अनकु वाक् उदुअः हर– डाहार ते ले ताड़ाम आ।

   चेतान रे ओल आकान जोतो काथा दिशा दोहो कात् आर ओना कः काथा दुरून ते आले, आलेयाक् परम्परा आर आले याक् विरासत भागी दोहो लागीत् जोतो हड़ गे कुरूमुटु ते भाग ले हाताव आ, आर किरा ले जम ऐदा। नोंवा हँ, काथा ले गोटा– येदा जे आलेयाक सांस्कृतिक विरासत ले साम्भड़ाव दोहोया, आर कड़ाम– असार कातेअ् काथा ले दहः येदा जे हिजुक आक पीढ़ी कः हँः कः गोअः भारया या।

ग्राम सभा (आतु दुड्डुप) रे सेटेर आकान्
जोतो हड़ कोवाक् टीप सही आर साईन।

1.

अबुअः रीति विधि– अबुअः विरासत

पेसा हातु सभा रअः नुतुमः

प्रखण्ड रअः नुतुमः जिला रअः नुतुमः

---

1. आबु हातु सभा रेन होड़ो नेया सपत बु आवजदा ची आबु आबुअः पूर्वज कोअः परंपरा ओड़ो परम्पारिक विरासत के बुगिन दोहोयाबु।

2. आबु शपथ बु आवजदा ची आबु बीर ओते रअः साथ संतुलन बाई तान ते प्रबंधनेयाबु।

3. आबु शपथ बु आवजदा ची आबुअः रूढ़ीजन्य विधि रअः पालन रीकाते नियमित हातु सभायाबु सोबेनको भागीदारी सुनिश्चित याबु ओड़ो अेनाके सशक्त बु बाईया।

4. आबु शपथ बु आवजदा ची अबुअः संस्कृति धरोहर जैसे लोकगीत, परब, बोंगाबुरू तथा विश्वास के सुरक्षित बु दोहोया ओड़ो हिजुऊतन पीढ़ी कोकेयोबु सिखावकोवा।

5. आबु जनजातीय नायको, योद्धाओं ओड़ो समाज के सुधार वाला कोकेयो विरासत रेयाः बु सम्मान कोआः ओड़ो इनीयाअः बुगीना रेयाबु सेनेया।

नेया प्रस्ताव रेया माध्यम ते आबु आबुअः परंपरा अबुअः विरासत रे सक्रिय रूप ते भाग आब रअः वचन बु अेमजदा। नेयः सुनिश्चित तनअ लो ते ची अबुअः संस्कृति विरासत के न केवल संरक्षित तेयाबु बल्कि गर्व रेअः साथ हिजुऊतन पीढ़ी कोकेबु आमाकोवा।

हातु सभा रअः उपस्थित सोबेन हागाकोवा ।

1.

2.

3.

अबुअ: दोस्तुर - अबुअ: विरासत(नमाकन जिनिस)

पेसा हातु दुनुब रेयः नुतुम :

प्रखण्ड रेयः नुतुम : **जिला रेयः नुतुम :**

---

1. अबु ---------- हातु दुनुब रेबु बडेना चि आबु मुनु होड़ कोवः दोस्तुर ओन्डो: पुरके को एमा कड जिनिस बु राकाया।

2. आबु बडेना चि आबु दः,बुरू ओन्डो: ओते लो: ते बराबरी केते रिका काअः ।

3. आबु बडेना बु चि अबुअ: सेसेन हुजु: तन दोस्तुर होकोवः आइन रेयः ओतोङ केते दाउ - दाउ हातु बु दुनुबेया,सबिन कोबु जुमुर कोवा ओन्डो: आको पेःए बु बई कोवा।

4. आबु बडेना चि अबुअ: इटिङ दोस्तुर चिलिका होड़ो दुरं, पोरोब, बोङगा-बुरू ओन्डो: ममातिङ बु रिकाया ओन्डो: हुजु: तन होनको बु एतो कोवा।

5. अबु आदिवासी बियर-बोयर को ओन्डो: हुदा समड़ाओ तड् देंगा को मान बु एमेया ओन्डो: अकोव: होरा रेबु सेसेना।

नेन दुनुब लेकाते आबु अबुअ: दोस्तुर आबु नमाकड् मनातिङ तेयः तेरसा लेकाते हितड इडी तेयः बु बडेना, नेना ले कजि सपाया चि आबुअ: दोस्तुर, नमा कन जिनिस सुमं काबु राकाया, ओन्डो: ममारङ लोःते हुजु: तन हो को बु एम चला कोवा।

हातु दुनुब रे सेटेरा कन सबिन पईकि कोव: सुइ :-

1.

2.

"नम्हेंय रीति रिवाज - नम्हैय जागीर

पेसा पद्दा खोड़हा गही नामे

डाड़ापति गही नामे (प्रखण्ड का नाम) मूली संगही गही नामे (ज़िला का नाम)-

---

1. एम. पाद्दा खोड़ाह ता अलाद ई वचन होदात अरा नम तम्हेंय पुरखर गहि जागीर अरा रीति रिवाज घी दाव ले जोगा बाऔत।

2. एम वचन होदात अरा एम अम्मे, परता. खेखेलन घी संगे दाव ले उज्जोत बिज्जोत दरा एरादे खोजोद।

3. एम वचन होदात अरा नम्हैय पुरखा गाही रीति रिवाज एदचका डहरेन दाव ले एंजजोत दरा घड़ी घड़ी ओकोत अरा होरमर घी ई पाईत नू होर्मरन घी नलख मानो अरा नम बडियार कामोत।

4. एम वचन होदात जरा नम्हैय सांस्कृतिक एकासे का परब. पूजा पहुर आदि गहि महाबन बचछाबओत अरा बरना पीढ़ीन हूं तेंगोत ।

5. एम जनजातीय अगुवा वीरारीन खोड़ाहा उज्जगुरिन अरा आर धी नालखान दोहाई नानोत दरा आर धी चंबी नू एक्कोत।

ई कत्था घी पाईत ती एम नम्हैय रिवाज जागीर नू जिया ती संगे राओत ईदी धी वचन थीआदत नाम गे आकाय दाव ती बरने वाला पीढ़ी गे चिओत ।

1.

2.

3.

अनियां पराम्पारा - अनियां विराषत

पेशा टोला डोकलो

प्रखण्डयाः ओमी **जिलायाः जीमी**

---

1. एले टोला डोकलोत्राः लेमु की किल्ला योतेले नो पुरखायाः पराम्परा ते बायके उनेले । :

१ : एले किश्या योः तेले नो डाः किनिर ओडो गोजलो . अंकलयाः सोरी बायके बेस डूः ऊनेले ।

3. एले किरिया यो:ते ले नो रूही जानिया विधिते मानेकोन 'नियम लेखुङ टोला डोकनो करायले माडि किया सलहा बुंग सुनिश्चित करामकोन सोः तो पड़ोग बायेले ।

५ . एले किरिया मो: तेले नो अनियाँ संस्कृति, थरो हार -जेलेखुङ आ -लोंग पोरोब देवडा-दाडोम, ओडो आल्याने बनचायके बैस :हूँ उनेले ओ:डोः डेनेमडेल पीढ़ी -कुन्डुरु / हाकोनते जो सिखायले |

5. एले जनजाति आगुवाकिते, योद्धा को ओडोसमाज सुधराय कान की विरासत ते :, सम्मान करायले ओडोहोकिया अंजोर गुड् चोनाले । :

उ प्रस्तावयाः लेने एले एला पराम्परा

एला विराशातते साक्रिया लेखुङ हिंसा:

डोडना कायोम तेरतेले, उद्याय सुनिश्चित करायकोन ऐला संस्कृति विराषातते कुनेम डेल पीटी होजए मेरगा उम्बो मुट्टा डेनेमडेल पीढ़ी कीते जो सोम्पे डोमना ।

टोला डोक्लोः ते डेलडेल कियासाही :

हमरे कर परमपरा-- हमीन कर बिरासत

पेसा गांव सभा कर नाव-----

प्रखण्ड कर नाव--- **जिला कर नाव-----**

---

(1) हाम-------- गांव सभा कर अदमी इ सपथ लेवत ही की हाम आपन पुरखा मनक परमपरा आउर पारमपरिक बिरासत के बचायके रखब।

(2) हाम सपथ लेवत ही की हाम जल, जंगल, जमीन मनक संतुलन बनाते जुगुत करब।

(3) हाम सपथ लेवत ही की आपन पुरखउती/ रुढीजनय बिधी कर पालन करते बरोबरइर गांव सभा करब, सउब कर हाजरी निचित करब आउर उके मजगुत करब।

(4) हाम सपथ लेवत ही की हामरे कर सांसकिरीतिक धरोहर जइसे लोकगीत, परब तेहवार, पूजा नियम धरम ,आसथा के सुरछित रखब आउर आवे वाला पीढ़ी के सिखायेक काम करब।

(5) हाम जनजातीय जोदधा मनकर आउर समाज सुधारक मनक बिरासत के माइन देवब आउर उ मनक डहर में चलब।

इ परसताव कर माधयम से हाम " हमरेक परमपरा-- हमरेक बिरासत " में सकिरय रुपे भाग लेवेक बचन देवथी इ निचित करतही की हमरेक सांसकिरीति...